


भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2000]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 29, 2014/आश्विन 7, 1936

No. 2000]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 29, 2014/ASVINA 7, 1936

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(आयुष विभाग)

संकल्प

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 2014

का.आ. 2535(अ).—सरकार ने आयुष अस्पतालों और औषधालयों के उन्नयन, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों में आयुष सुविधाओं की सह-स्थापना द्वारा सार्वभौमिक पहुंच सहित लागत प्रभावी आयुष सेवाएं प्रदान करने, आयुष शैक्षणिक संस्थानों, राज्य सरकार की एएसयू एवं एच भेषजियों, औषध परीक्षण प्रयोगशालाओं और एएसयू एवं एच प्रवर्तन तंत्र के उन्नयन के माध्यम से राज्य स्तर पर संस्थागत क्षमता सुदृढ़ करने, उत्तम कृषि पद्धतियां (जीएपी) अपनाकर औषधीय पादपों की कृषि में सहायता प्रदान करने ताकि गुणवत्तायुक्त कच्ची सामग्री की सतत् आपूर्ति हो और गुणवत्तायुक्त मानकों, उत्तम कृषि/संग्रहण/भंडारण पद्धतियों के लिए प्रमाणन तंत्र का समर्थन करने तथा खेती, भांडागारण, मूल्य संवर्धन और विपणन के अभिसरण द्वारा समूहों की स्थापना में सहायता करने और उद्यमियों के लिए अवसररचना का विकास प्रदान करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आयुष मिशन को शुरू किया है।

2. राष्ट्रीय आयुष मिशन में आयुष अस्पताल एवं औषधालय सेवाएं, स्नातक और स्नातकोत्तर शैक्षणिक संस्थानों सहित आयुष शैक्षणिक संस्थानों का विकास, राज्य सरकार एएसयू एवं एच भेषजियां, राज्य औषध परीक्षण प्रयोगशालाओं, औषध नियंत्रण ढांचे सहित एएसयू एवं एच औषध गुणवत्ता नियंत्रण तथा औषधीय पादपों के प्रसार

संबंधी मूल/आवश्यक कार्यकलाप शामिल हैं। इस मिशन में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों द्वारा प्रस्तावित वित्तीय संसाधनों का 20% नम्य घटकों के लिए निर्धारित होगा।

3. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को संसाधन आवंटन जनसंख्या, पिछड़ापन और निष्पादन के आधार पर प्रस्तावित है। इससे ईक्विटी, निष्पादन और पिछड़ेपन को ध्यान में रखते हुए राज्यों को उम्मीद के अनुसार और संतुलित आवंटन सुनिश्चित किया जाएगा।

4. केन्द्र में, आयुष विभाग राष्ट्रीय आयुष मिशन के क्रियान्वयन के लिए नोडल विभाग के रूप में जिम्मेदार होगा। यह मिशन राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) निदेशालय द्वारा चलाया जाएगा और सचिव, आयुष विभाग इसके अध्यक्ष होंगे।

5. एनएएम के प्रभारी संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में एक जांच समिति राष्ट्रीय मिशन का अनुमोदन प्राप्त करने से पूर्व राज्य वार्षिक कार्ययोजना (एसएएपी) की जांच करेगी। जांच समिति में विभिन्न विषयों के तकनीकी विशेषज्ञ, एनएएम के संबंधित निदेशक/उप सचिव और साथ ही मिशन के विभिन्न घटकों के प्रभारी शामिल होंगे।

6. राज्य स्तर पर, राज्य आयुष सोसायटी द्वारा मिशन शासित और निष्पादित किया जाएगा। शासी निकाय की अध्यक्षता प्रमुख सचिव द्वारा की जाएगी और संयोजक संबंधित राज्य के आयुष/स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के प्रधान सचिव/प्रभारी सचिव होंगे। राज्य आयुष सोसायटी का शासी निकाय कार्यकारी निकाय द्वारा की गई सिफारिशों के पश्चात् राज्य वार्षिक कार्य योजना (एसएएपी) को अंतिम रूप देगा। कार्यकारी निकाय की अध्यक्षता आयुष/स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के प्रधान सचिव/प्रभारी सचिव करेंगे और इसके सदस्य सचिव आयुक्त (आयुष)/महानिदेशक (आयुष)/निदेशक आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी, सिद्ध होंगे। राज्य आयुष मिशन को मिशन निदेशालय, एनआरएचएम, राज्य औषधीय पादप बोर्ड, बागवानी विभाग, राज्य आयुष औषध लाइसेंसिंग प्राधिकरण, राज्य आयुष चिकित्सा शिक्षा निदेशालयों आदि द्वारा समर्थन दिया जाएगा, ताकि आवश्यकताओं का तकनीकी आकलन, जनशक्ति की व्यवस्था, क्षमता निर्माण, औषध प्रापण, निगरानी और मूल्यांकन आदि सहित कार्यक्रम कार्यान्वयन के सभी पहलुओं को सफलतापूर्वक पूरा किया जा सके।

7. राष्ट्रीय आयुष मिशन के मिशन निदेशालय को मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए पर्याप्त प्रशासनिक और वित्तीय शक्तियां सौंपी गई हैं।

[फा. सं. आर.14011/02/2014-एच एंड डी प्रकोष्ठ]

नीलांजन सान्याल, सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of AYUSH)

RESOLUTION

New Delhi, the 29th September, 2014

S.O. 2535(E).—The Government has launched the National AYUSH Mission with the objectives of providing cost effective AYUSH Services, with a universal access through upgrading AYUSH Hospitals and Dispensaries, co-location of AYUSH facilities at Primary Health Centres (PHCs), Community Health Centres (CHCs) and District Hospitals (DHs), strengthening institutional capacity at the state level through upgrading AYUSH educational institutions, State Govt. ASU&H Pharmacies, Drug Testing Laboratories and ASU & H

enforcement mechanism, supporting cultivation of medicinal plants by adopting Good Agricultural Practices (GAPs) so as to provide sustained supply of quality raw-materials and support certification mechanism for quality standards, Good Agricultural/Collection/Storage Practices and supporting setting up of clusters through convergence of cultivation, warehousing, value addition and marketing and development of infrastructure for entrepreneurs.

2. The National AYUSH Mission encompasses core/essential activities on AYUSH Hospitals and Dispensaries services, development of AYUSH Educational Institutions covering under Graduate and Post Graduate educational institutes, ASU&H drugs quality control covering State Government ASU & H Pharmacies, State Drugs Testing Laboratories, drugs control framework and promotion of Medicinal Plants. The mission also has provision for 20% of financial resources for flexible components to be proposed by the State/UT Governments.

3. The resource allocation to the States/UTs is proposed on the basis of population, backwardness and performance of the State/UT. This will ensure a predictable and balanced allocation to the States taking into account equity, performance and backwardness.

4. At the Centre, Department of AYUSH would be responsible as the nodal Department for implementing National AYUSH Mission. The Mission will be steered by a National AYUSH Mission (NAM) Directorate, Chaired by Secretary, Department of AYUSH.

5. An Appraisal Committee Chaired by Joint Secretary in-charge of NAM will scrutinize the State Annual Action Plan (SAAP) before placing it before the National Mission for approval. Appraisal Committee shall consist of technical experts from various disciplines, concerned Director/ Deputy Secretary of NAM as well as in-charges of various components of the Mission.

6. At the State level, the Mission will be governed and executed by a State AYUSH Society. The Governing Body shall be chaired by the Chief Secretary and Principal Secretary/Secretary I/c of AYUSH/ Health & F.W. of the concerned State will be the convenor. The Governing Body of the State AYUSH society will finalize the State Annual Action Plan (SAAP) after recommendations by the Executive Body. The Executive Body will be chaired by Principal Secretary/Secretary in charge of AYUSH/ Health & F.W. and Commissioner (AYUSH)/Director General (AYUSH)/Director Ayurveda, Unani, Homoeopathy, Siddha will be the member secretary of the Executive Body. The State AYUSH Mission will be supported by the State Mission Directorate, NRHM, State Medicinal Plant Board, Horticulture Department, State AYUSH Drug Licensing Authority, State AYUSH Medical Education Directorates, etc. so that all aspects of programme implementation including technical assessment of requirements, manpower provisioning, capacity building, drug procurement, monitoring and evaluation, etc. can be successfully met.

7. The Mission Directorate of National AYUSH Mission has been vested with adequate administrative and financial powers to enable it to achieve the objectives of the Mission.

[F. No. R.14011/02/2014-H&D Cell]

NILANJAN SANYAL, Secy.